Roll No. .....

Total No. of Pages : 4

Total No. of Questions : 12

पूर्वमध्यमा प्रथमखण्ड

विषय कोड : 516

सामान्य हिन्दी

पञ्चमं-प्रश्नपत्रम्

समय : 1½ घण्टे **पूर्णांक : 50**

निर्देश:— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) प्रश्न के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

1. सही विकल्प चुनकर लिखिए : 4×1=4

(1) बेटी का परिचय कौन सबसे अच्छा दे सकता है ?

(क) पिता (ख) माता

(ग) दादा

(2) बुद्धिराम, बूढ़ी काकी का क्या था ?

(क) पोता (ख) भतीजा

(ग) पुत्र

(3) "रामायण" के रचयिता हैं :

(क) सूरदास (ख) वाल्मीकि

(ग) तुलसीदास

(4) कबीरदासजी द्वारा रचित है :

(क) साखियाँ (ख) पदावली

(ग) ऋतु वर्णन

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : 4×1=4

(1) "वृक्ष से हमें ..... करने की शिक्षा मिलती है।

(क) परोपकार (ख) आदर

(ग) सम्मान

65

(2) ..... का ज्वर सबसे भयानक होता है।

(क) कुसंग (ख) मित्रता

(ग) सुसंग

(3) आचार्य चाणक्य ..... के महामंत्री थे।

(क) अशोक (ख) चन्द्रगुप्त मौर्य

(ग) सैल्युकश

(4) "नवीन" शब्द का विलोम ..... है।

(क) प्राचीन (ख) नूतन

(ग) भविष्य

3. सही जोड़ियाँ बनाइए : 4×1=4

(1)	श्रीकृष्ण की बाललीला का वर्णन	–	बूढ़ी काकी
(2)	लाड़ली और रूपा का संबंध है	–	सूरदास
(3)	ऋतु वर्णन	–	निराकार
(4)	जिसका कोई आकार न हो	–	पद्माकर
		–	अनाकार

4. निम्नलिखित पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : 3

"साधू भूखा भाव का, धन का भूखा नाहिं।
धन का भूखा जो फिरै, सो तो साधू नाहिं।।

अथवा

पढ़े संस्कृत जतन करि, पंडित भे विख्यात।
पै निजभाषा ज्ञान बिन, कहि न सकत एक बात।।

5. साधु का स्वभाव किसके समान होना चाहिये ? 3

अथवा

श्रीकृष्ण के बालरूप का वर्णन सूरदास के अनुसार कीजिए।

66

6. रसखान कहाँ जन्म लेना चाहते हैं ? 3

अथवा

शिशुपाल के घर आने वाला अतिथि कौन था ?

7. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 3

"मित्र का कर्त्तव्य इस प्रकार बताया गया है कि उच्च और महान कार्यों में इस प्रकार सहायता देना, मन बढ़ाना और साहस दिलाना कि तुम अपनी निज की सामर्थ्य से बाहर काम कर जाओ। यह कर्त्तव्य उसी से पूरा होगा जो दृढ़-चित्त और सत्य संकल्प हो।

अथवा

बूढ़ी काकी अपनी कोठरी में जाकर पश्चाताप कर रही थी। मैं कहाँ से कहाँ गई। उन्हें रूपा पर क्रोध नहीं था। अपनी जल्दबाजी पर दु:ख था। सच ही तो है। जब तक मेहमान लोग भोजन न कर चुकेंगे, घर वाले कैसे खायेंगे ? मुझसे इतनी देर भी नहीं रहा गया।

8. "आई" प्रत्यय लगाकर **दो** शब्द बनाइये। 2

अथवा

"प्रति" उपसर्ग लगाकर **दो** शब्द बनाइये।

9. "जीवनी" की परिभाषा लिखिये। 3

अथवा

किन्हीं **दो** कहानीकारों के नाम उनकी रचना सहित लिखिये।

10. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 6

"स्वार्थ और परमार्थ मानव की दो प्रवृत्तियाँ हैं। हम अधिकतर सभी कार्य अपने लिए करते हैं। "पर" के लिए सर्वस्व बलिदान करना ही सच्ची मानवता है। यही धर्म है, यही पुण्य है। इसे ही परोपकार कहते हैं। प्रकृति हमें निरन्तर परोपकार का संदेश देती है। नदी दूसरों के लिए बहती है। वृक्ष मनुष्यों को छाया तथा फल देने के लिए ही धूप, आँधी, वर्षा और तूफानों के जल के रूप में अपना सब कुछ बलिदान कर देते हैं।

(क) सच्ची मानवता क्या है ?

(ख) गद्यांश का सारांश लिखिए।

(ग) उपर्युक्त गद्यांश का सटीक शीर्षक लिखिये।

(ख) वृक्ष किस प्रकार परोपकार का संदेश देते हैं।

11. अपने विद्यालय के प्राचार्य को स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन-पत्र लिखिए। 5

अथवा

अपने पिता को पुस्तकें क्रय करने हेतु 1500 रुपए भेजने के लिए पत्र लिखिए।

12. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए : 10

(1) विज्ञान के चमत्कार।

(2) विद्यार्थी जीवन और अनुशासन।

(3) कम्प्यूटर के लाभ।

(4) आतंकवाद।

(5) वृक्षारोपण।

(6) 'स्वच्छता अभियान'।